3, 71, 438
प्रसारण संख्या का विश्व कीर्तिमान रचने वाली
भारत की एकमात्र बाल पत्रिका

सर्वाधिक प्रसारित हिन्दी बाल मासिक
देवपुत्र

# पंख

●डॉ. राज सक्सेना



पंख अगर हो जाते अपने,
कितनी मौज उड़ाते।
धुआँ–धूल से बचकर रहते,
उड़कर शाला जाते।

किसी मित्र से मिलने को दिल,
करता तो उड़ जाते।
सीधे उड़ कर उसकी छत पर,
पहुँच पलों में जाते ।

जब मन करता चंदामामा,
से मिलकर आ जाते।
दही–बताशे उन्हें खिलाकर,
पुए–बूर के खाते।

छुट्टी के दिन सुबह–सवेरे,
ऊटी को उड़ जाते।
दिन भर मौज मनाते जमकर,
सांझ ढले घर आते।

अगर कहीं जाते तो माँ से,
आज्ञा लेकर जाते।
दूर–दूर से अच्छी चीजें,
लाकर उन्हें खिलाते।

●खटीमा (उत्तराखण्ड)